ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 01 सितम्बर 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 3 अंक 129

PNB की करेंसी चेस्ट में 17 करोड़ के नकली नोट! ऑडिट में खुलासा, तीन अफसर सस्पेंड; RBI की टीम पहुंची

24 न्यूज अपडेट

सहारनपुर। पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट में करोड़ों रुपए के नकली नोट मिलने से बैंकिंग व्यवस्था में हड़कंप मच गया है। सहारनपुर की घंटाघर स्थित शाखा की करेंसी चेस्ट के ऑडिट के दौरान करीब 17 करोड़ रुपए के नकली नोट मिलने का दावा सामने आया है। मामले में बैंक ने तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए RBI के छह अधिकारियों की टीम मंगलवार सुबह सहारनपुर पहुंची। दो वाहनों से पहुंची टीम बैंक में कई घंटे तक रही और करेंसी चेस्ट से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों से पूछताछ की।

जयपुर भेजी रकम में 4.30 लाख कम निकले

मामले की शुरुआती कड़ी कुछ दिन पहले सामने आई थी। बैंक की घंटाघर शाखा से जयपुर करेंसी चेस्ट भेजी गई रकम की गिनती के दौरान 4 लाख 30 हजार 900 रुपए कम मिले। इसके बाद PNB मेरठ के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू की। बताया गया कि 5 अगस्त को करीब 11.50 करोड़ रुपए के नोट जयपुर भेजे गए थे। रकम की गिनती के दौरान कमी सामने आने पर बैंक अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई।

CCTV में हाउसकीपर की हरकत कैद

जांच के लिए PNB मेरठ के चीफ मैनेजर और जांच अधिकारी अरुण कुमार चौबे को सहारनपुर भेजा गया। बैंक में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो पार्टटाइम हाउसकीपर विशाल कुमार नोटों की गड्डियों से रुपए निकालता दिखाई दिया। इसके बाद बैंक ने विशाल कुमार को काम से हटा दिया और उसके खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया।

ऑडिट शुरू हुआ तो सामने आई करोड़ों की गड़बड़ी

हाउसकीपर से जुड़ी गड़बड़ी सामने आने के बाद बैंक ने 9 अगस्त से करेंसी चेस्ट का ऑडिट शुरू कराया। नकदी और बैंक रिकॉर्ड का मिलान किया गया। इसी जांच के दौरान करेंसी चेस्ट में रखे नोटों की पड़ताल में करीब 17 करोड़ रुपए के नकली नोट मिलने की बात सामने आई। इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट मिलने के बाद बैंक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। जांच में करेंसी चेस्ट से जुड़े अधिकारियों से पूछताछ की गई।

तीन अधिकारियों से पूछताछ, फिर सस्पेंशन

जांच के दौरान सीनियर डिवीजनल मैनेजर रवि कुमार कांसे, करेंसी चेस्ट मैनेजर सुशील कुमार और यमुनानगर-जगाधरी में तैनात करेंसी चेस्ट मैनेजर अमित कुमार से पूछताछ की गई। उनसे नकली नोट करेंसी चेस्ट तक पहुंचने और वहां रखे जाने के संबंध में जानकारी मांगी गई। जांच अधिकारी के मुताबिक तीनों अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई और तीनों को निलंबित कर दिया गया।

अब सबसे बड़ा सवाल- 17 करोड़ के नकली नोट आए कहां से?

मामले में अब जांच का सबसे बड़ा बिंदु यही है कि इतनी बड़ी मात्रा में नकली नोट बैंक की करेंसी चेस्ट तक कैसे पहुंचे। ये नोट कब और किस माध्यम से बैंक में आए, किस स्तर पर उनकी पहचान नहीं हो सकी और इस पूरे मामले में किन लोगों की भूमिका रही‘इन सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: CJP आंदोलन से जुड़ी FIR रद्द, 2,873 लोगों पर अलग जांच जारी रहेगी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 1 सितंबर। NEET-UG पेपर लीक के विरोध में जुलाई में हुए कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व वाले छात्र आंदोलन से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने 20 से 25 जुलाई के प्रदर्शन से संबंधित FIRs को रद्द करने का आदेश दिया, लेकिन गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 लोगों से जुड़े मामले को इससे अलग रखा है। दिल्ली पुलिस को इन लोगों की भूमिका की जांच के लिए एक अलग FIR की अनुमति दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह राहत मामले की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए दी गई है और इसे दूसरे मामलों के लिए मिसाल या बाध्यकारी फैसला नहीं माना जाएगा। साथ ही आदेश का आधार यह है कि सरकार और प्रदर्शनकारी संगठन के बीच अदालत के समक्ष दिए गए आश्वासनों का पालन किया जाएगा।

13 FIR वापस लेने की थी मांग

मामले की शुरुआत 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के बाद हुई थी। दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग घटनाओं को लेकर 13 FIR दर्ज की थीं। इनमें दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अन्य गंभीर धाराएं शामिल थीं। 31 अगस्त को दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन देकर इन मामलों को आगे नहीं चलाने की अनुमति मांगी थी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि 25 जुलाई को CJP नेताओं के साथ सरकार की बातचीत में जो आश्वासन दिए गए थे, उन्हें पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इन्हीं आश्वासनों के तहत प्रदर्शन से जुड़ी व्यापक FIR वापस लेने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

2,873 लोगों का मामला अलग क्यों?

यह इस पूरे फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि प्रदर्शन स्थल पर मौजूद 2,873 लोगों की पहचान ऐसे व्यक्तियों के रूप में हुई है, जिनके गंभीर आपराधिक पूर्ववृत्त बताए गए हैं। पुलिस ने इन लोगों के खिलाफ एक अलग और सीमित FIR दर्ज कर जांच करने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने इस अपवाद को बरकरार रखा है। इसका मतलब यह नहीं है कि इन सभी 2,873 लोगों को प्रदर्शन के दौरान हिंसा या तोड़फोड़ का दोषी मान लिया गया है। पुलिस को जांच के जरिए यह पता लगाना होगा कि इनमें से किसकी प्रदर्शन के दौरान मारपीट, शारीरिक नुकसान या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में वास्तविक भूमिका थी।

चेहरे पहचानने वाली तकनीक से हुई थी पहचान

इस मामले में पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल की गई फेस रिकग्निशन तकनीक को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट में जानकारी दी थी। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की पहचान की गई थी और पुलिस ने दावा किया था कि सिस्टम ने खास तौर पर पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्तियों को चिन्हित किया। इस प्रक्रिया को लेकर निगरानी और निजता के सवाल भी उठे थे।

5 सितंबर का प्रस्तावित मार्च भी वापस

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद CJP ने 5 सितंबर को दिल्ली में प्रस्तावित मार्च वापस लेने का ऐलान कर दिया। संगठन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि केंद्र के सकारात्मक रुख और FIR वापस लेने की कार्रवाई के बाद मार्च का आह्वान वापस लिया जा रहा है।

त्योहारों से पहले चीनी पर सख्ती: 15 सितंबर से व्यापारियों की स्टॉक लिमिट आधी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 1 सितंबर। त्योहारी सीजन में चीनी की कीमतों को काबू में रखने और बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए केंद्र सरकार ने व्यापारियों के स्टॉक पर बड़ी पाबंदी लगा दी है। 15 सितंबर से देशभर में चीनी डीलर अधिकतम 2,000 क्विंटल चीनी ही अपने पास रख सकेंगे, जबकि अभी यह सीमा 4,000 क्विंटल है। नई व्यवस्था 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगी। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब पिछले कुछ सप्ताह में चीनी के दाम तेजी से बढ़े थे। केंद्र के मुताबिक बाजार में निगरानी, स्टॉक के भौतिक सत्यापन और आपूर्ति बढ़ाने के उपायों के बाद एक्स-मिल चीनी की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है और खुदरा कीमतों में भी गिरावट का रुख शुरू हो गया है। सरकार को उम्मीद है कि थोक बाजार की इस नरमी का फायदा जल्द उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा।

दोहरी पाबंदी से जमाखोरी पर वार

नई व्यवस्था में सिर्फ मात्रा की सीमा ही नहीं लगाई गई है। 15 सितंबर से व्यापारी किसी भी खेप को प्राप्त होने की तारीख से 30 दिन से ज्यादा अपने पास नहीं रख सकेंगे। देश में किसी भी स्थान पर किसी भी समय 2,000 क्विंटल से अधिक स्टॉक रखने की अनुमति नहीं होगी। सरकार ने कहा है कि स्टॉक की नियमित घोषणा और निगरानी के साथ मिलों, डीलरों और व्यापारियों के यहां भौतिक सत्यापन जारी रहेगा। जांच में पहले ही कुछ स्थानों पर घोषित स्टॉक से अधिक चीनी, स्टॉक की जानकारी छिपाने और उसकी आवाजाही में अनियमितताएं सामने आई हैं।

कोलकाता को 4,000 क्विंटल की छूट

देशव्यापी नई सीमा से कोलकाता को फिलहाल अलग रखा गया है। वहां 4,000 क्विंटल की मौजूदा स्टॉक सीमा जारी रहेगी। इसकी वजह पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की आपूर्ति व्यवस्था है, जहां कोलकाता एक महत्वपूर्ण वितरण केंद्र के रूप में काम करता है।

थोक भाव टूटे, अब खुदरा बाजार की बारी

सरकार के अनुसार पिछले दिनों एक्स-मिल कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। खुदरा कीमतों में भी नरमी शुरू हो चुकी है। आपूर्ति शृंखला में थोक भाव का असर धीरे-धीरे खुदरा बाजार तक पहुंचने के कारण आने वाले दिनों में उपभोक्ताओं को और राहत मिलने की उम्मीद जताई गई है। दरअसल, अगस्त में सरकार ने चीनी बाजार में अचानक आई तेजी को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए। 1 सितंबर से बड़े थोक उपभोक्ताओं को भी 15 दिन की खपत से ज्यादा चीनी रखने पर रोक लागू हो गई है। साथ ही सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है।

अक्टूबर से बढ़ेगी घरेलू आपूर्ति

त्योहारी मांग को देखते हुए सरकार ने राज्यों और चीनी मिलों को 15 अक्टूबर से गन्ने की पेराई शुरू करने की सलाह दी है। सरकारी अनुमान के मुताबिक अक्टूबर में उत्पादन सामान्य 3-4 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो सकता है। सितंबर में कर्नाटक और महाराष्ट्र की चालू मिलों से करीब 2 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त उत्पादन और नवंबर में करीब 45 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की उम्मीद जताई गई है।

7.8% GDP ग्रोथ, PM मोदी की फिर अपील- जरूरत न हो तो सोना न खरीदें, विदेश यात्रा से भी बचें

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 1 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की 7.8 प्रतिशत GDP ग्रोथ को अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक उपलब्धि बताते हुए देशवासियों को बधाई दी। मंगलवार को जारी वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक शक्ति का परिणाम है। उन्होंने देश की विकास गति को आगे भी बनाए रखने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने लोगों से एक बार फिर गैर-जरूरी सोने की खरीद से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि सोने की आवश्यकता नहीं है तो उसे नहीं खरीदना चाहिए। इससे पहले 10 मई को भी प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सोने की खरीदारी कम करने की अपील की थी। विदेश यात्रा और विदेश में शादी से भी बचने की अपील पीएम मोदी ने लोगों से विदेश में घूमने के लिए अनावश्यक यात्राएं करने और विदेश में शादी समारोह आयोजित करने से बचने का आग्रह किया। उन्होंने ’मेक इन इंडिया’ को बढ़ावा देने और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश में जितना अधिक स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा, भारत उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि आज की युवा पीढ़ी के प्रयासों से भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक देश को विकसित भारत के रूप में आगे ले जाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

‘झूठ की गूंज’ से माहौल बिगाड़ने की कोशिश का आरोप

प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में कुछ लोग निराशा फैलाने और ’झूठ की गूंज’ के जरिए माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी चुनौतियों के बावजूद भारत ने 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है और अब देश को इसी रफ्तार को बनाए रखते हुए विकास को और गति देनी होगी।

सोने की खरीद कम करने पर क्यों दिया जोर?

भारत अपनी सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से पूरा करता है। सोने का आयात बढ़ने पर देश से बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। इसके लिए डॉलर की मांग बढ़ती है, जिससे रुपए पर दबाव पड़ सकता है। वहीं आयात कम होने पर डॉलर की मांग घटने से रुपए को मजबूती मिलने में मदद मिल सकती है। मजबूत रुपए का असर आयातित कच्चे तेल और अन्य जरूरी वस्तुओं की लागत पर भी पड़ सकता है। आयात सस्ता होने से महंगाई को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

कम सोना खरीदा, फिर भी बढ़ा इम्पोर्ट बिल

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में भारत ने पिछले कारोबारी वर्ष की तुलना में करीब 4.76 प्रतिशत कम सोना आयात किया, लेकिन सोने के आयात पर होने वाला खर्च करीब 24 प्रतिशत बढ़ गया। इसकी प्रमुख वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी रही।

फिजिकल गोल्ड के बजाय ETF भी विकल्प

निवेशकों के लिए सोने में निवेश का एक विकल्प गोल्ड ETF भी है। इसमें सोने को आभूषण या सिक्के के रूप में रखने की जरूरत नहीं होती। ऐसे निवेश में फिजिकल गोल्ड की तरह चोरी या सुरक्षित रखने के लिए लॉकर जैसी परेशानियां नहीं होतीं। हालांकि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले उसके जोखिम, लागत और अपनी निवेश जरूरतों को समझना जरूरी है।

संपादकीय : लोकतंत्र का जीवन

किसी भी देश में लोकतंत्र की खूबसूरती और मजबूती इस बात पर टिकी है कि वहां नागरिकों को सत्ताधारी दलों, जनप्रतिनिधियों से वाजिब सवाल करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होती हो और उन्हें इसका जवाब भी मिलता हो । विडंबना यह है कि कई बार समाज के किसी हिस्से से अगर सत्ता के केंद्रों पर सवाल उठाया जाता है। और वैसी समस्याओं का जिक्र किया जाता है, जिस पर जवाब देना सरकार के लिए असुविधाजनक हो व वह खुद को कठघरे में पाए, तो सवाल पूछने वालों पर अंगुली उठाई जाने लगती है जबकि अभिव्यक्ति को रोकने की ऐसी कोशिशें आखिरकार लोकतंत्र को कमजोर करने की कवायद साबित होती हैं। शायद यही वजह है। कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने इस तरह की प्रवृत्तियों पर चिंता जताई है। नई दिल्ली के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने साफ लहजे में कहा कि असहमति व्यक्त करने या सवाल पूछने वाले विद्यार्थियों को सजा या सजा की धमकी देना असंवैधानिक और सत्ता का दुरुपयोग है। यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से सरकार के किसी रुख से असहमति या अपनी अलग राय जाहिर करने वाले नागरिकों को इस तरह देखने - बताने की कोशिश की जाती है, मानो उन्होंने कोई अपराध कर दिया हो। जबकि भारत के लोकतंत्र का जीवन इसी से समृद्ध हुआ है कि यहां नागरिकों को सरकार और अपने नुमाइंदों से सवाल करने या अपने विचार अभिव्यक्त करने का अधिकार प्राप्त रहा है। खासतौर पर विश्वविद्यालयों को अलग-अलग विचारों के समृद्ध होने के केंद्र के तौर पर देखा जाता रहा है और वहां विद्यार्थी किसी भी मुद्दे का अपने आलोचनात्मक विवेक के साथ परीक्षण करते हैं, सहमति - असहमति जाहिर करते हैं। इस तरह लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूती मिलती है। अब पिछले कुछ समय से इस तरह के स्वतंत्र विवेक की अभिव्यक्ति को अगर किसी रूप में बगावत के रूप में देखा या बताया जाने लगा है, तो यह अपने आप में लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध है। न्याधीश भुइयां ने इस प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए साफ तौर पर कहा कि विश्वविद्यालय को ऐसी जगह होना चाहिए, जहां स्थापित विचारों की जांच की जा सके और उन पर प्रश्न उठाए जा सकें। सवाल पूछने का अधिकार बगावत या अवज्ञा का कृत्य नहीं है और असहिष्णु मानसिकता देश के संविधान के उलट है। निश्चित तौर पर जस्टिस भुइयां ने ऐसे समय में एक जरूरी हस्तक्षेप किया है, जब सहिष्णुता और स्वतंत्र अभिव्यक्ति की जगह सिकुड़ती जा रही है ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके है, जिसमें विद्यार्थी या युवा अगर सरकार की किसी नीति पर सवाल उठाते हैं और अभिव्यक्ति के संवैधानिक अधिकार के तहत असहमति जाहिर करते हैं, तो उन्हें दुश्मन की तरह देखा जाने लगता है, उनकी आवाज को दबाने के प्रयास होते हैं। अपने से असहमति रखने वालों के प्रति असहिष्णुता का रुख अपने आप में हिंसा का ही एक रूप है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हमारा संविधान आवाज उठाने, खुद को अभिव्यक्त करने और अलग तरह के विचार रखने की आजादी की रक्षा करता है। अभिव्यक्ति को बाधित करने वाले शायद भूल जाते हैं कि उनकी हरकतों से देश का लोकतंत्र कमजोर होगा और अगर ऐसा हुआ, तो लंबे समय में इसका खमियाजा सभी नागरिकों को भुगतना पड़ेगा।

बेखौफ अपराधी

तमाम कड़े कानूनों और पुलिस गश्त के दावों के बावजूद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था आज भी बदहाल नजर आती है । राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है, यहां अन्य शहरों के मुकाबले हर स्तर पर व्यवस्था बेहतर होगी, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि खासकर महिलाओं के मामले में अब भी इसकी गिनती सबसे संवेदनशील और असुरक्षित महानगरों में ही की जाती है। वर्षों पहले हुए निर्भया मामले के बाद कानून में सख्ती तो की गई, लेकिन राजधानी में महिलाओं के खिलाफ अपराध का सिलसिला थम नहीं रहा है। यहां के कश्मीरी गेट इलाके में निजी बस के अंदर नाबालिग छात्रा से सामूहिक बलात्कार करके बाहर फेंक दिए जाने की घटना सामने आई है, जिसने सबको शर्मसार कर दिया है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े सवाल आज भी जस के तस हैं। जाहिर है, यह सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही का ही नतीजा है, वरना और क्या वजह हो सकती है कि अपराधियों के भीतर कानून का कोई खौफ नजर नहीं आता है। गौरतलब है कि वर्ष 2012 में निर्भया मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया था तब महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सड़क से संसद तक गूंज सनाई दी थी। इसी के परिणामस्वरूप कानून में बलात्कार की परिभाषा को व्यापक किया गया और यौन अपराधों से जुड़े कई नए प्रावधान जोड़े गए। मगर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में वर्ष 2013-2019 तक बलात्कार के मामलों में बढ़ोतरी हुई। हैरत की बात है कि बीते चार अगस्त को एक चालक और परिचालक निजी बस में नोएडा के परी चौक से लेकर दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके तक नाबालिग लड़की को रात में इधर से उधर घुमाते रहे और उससे सामूहिक बलात्कार किया, मगर कहीं भी गश्त कर रहे पुलिस कर्मियों की निगाह उन पर नहीं पड़ी। न तो इस बस को कहीं नाके पर रोका गया और न ही सीसीटीवी की निगरानी पर ध्यान दिया दिया। इस घटना से केंद्र से लेकर दिल्ली तक में एक ही पार्टी की सरकार और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बांसवाड़ा में नई कोर्ट बिल्डिंग के बाहर वकीलों का उग्र प्रदर्शन, सुविधाओं के अभाव पर अनिश्चितकालीन बहिष्कार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 1 सितंबर। जिला मुख्यालय के नए न्यायालय परिसर में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर मंगलवार को वकीलों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। नए कोर्ट भवन के मुख्य द्वार पर बार एसोसिएशन के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने धरना दिया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। वकीलों ने परिसर में यज्ञ कर व्यवस्थाओं में सुधार की मांग भी उठाई। वकीलों का कहना है कि 27 अगस्त से नए भवन में न्यायिक कामकाज शुरू कर दिया गया, लेकिन जरूरी सुविधाएं पूरी किए बिना ही अदालत को शिफ्ट कर दिया गया। इसके विरोध में अधिवक्ता उसी दिन से न्यायिक कार्यों का पूर्ण बहिष्कार कर रहे हैं।

10 लाख की किताबों से लेकर बैठने की जगह तक का मुद्दा

बार एसोसिएशन अध्यक्ष जयेंद्र कुमार पुरोहित के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में सबसे प्रमुख मांग पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लाइब्रेरी की किताबों को सुरक्षित रखने की है। अधिवक्ताओं के अनुसार इन पुस्तकों की कीमत करीब 10 लाख रुपए है और नई व्यवस्था में इनके उचित रखरखाव की व्यवस्था नहीं की गई है। आंदोलन के दौरान वकीलों ने न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार पर यज्ञ भी किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि इसका उद्देश्य प्रशासन और संबंधित अधिकारियों का ध्यान समस्याओं की ओर आकर्षित करना तथा व्यवस्थाओं में सुधार के लिए सद्बुद्धि की कामना करना है।

सुप्रीम कोर्ट के जज और रजिस्ट्रार जनरल को भेजा पत्र

बार एसोसिएशन ने नए न्यायालय परिसर की व्यवस्थाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जज और रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर पूरे मामले से अवगत कराया है। अधिवक्ताओं का दावा है कि आंदोलन को अब संभाग और प्रदेश के अन्य वकीलों का भी समर्थन मिल रहा है।

भीलवाड़ा में कपड़े के गोदाम में भीषण आग, 5 दमकलों ने संभाला मोर्चा; JCB से तोड़ी दीवार

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 1 सितंबर। शहर की आरके कॉलोनी में मंगलवार दोपहर कपड़े के गोदाम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने गोदाम में रखे कपड़े और पैकिंग सामग्री को चपेट में ले लिया। धुएं और आग की ऊंची लपटों को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित श्री राम इंटरनेशनल के कपड़ा गोदाम की है। आग की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। शुरुआती स्तर पर लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेजी से बढ़ने के कारण स्थिति बिगड़ती चली गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की करीब पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। गोदाम में बड़ी मात्रा में कपड़े और कार्टन रखे होने के कारण आग बार-बार भड़क रही थी। ज्वलनशील सामग्री के चलते दमकलकर्मियों को आग पर पूरी तरह काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। गोदाम के अंदर तक पानी पहुंचाने में भी परेशानी आ रही थी। इसके बाद आग बुझाने के लिए JCB की मदद ली गई।

JCB से दीवार और लोहे की चादर हटाई

फायरकर्मियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती गोदाम के भीतर तक पहुंच बनाने की थी। इसके लिए JCB को मौके पर बुलाया गया। मशीन से गोदाम की दीवार और लोहे की चादरों को हटाया गया, जिसके बाद दमकलकर्मियों ने अंदर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास तेज किया। गोदाम से लगातार निकल रही आग की लपटों और धुएं के कारण आसपास के रिहायशी इलाके में रहने वाले लोग भी चिंतित नजर आए। लोगों को आशंका थी कि यदि आग पर जल्द नियंत्रण नहीं पाया गया तो यह आसपास के मकानों और अन्य प्रतिष्ठानों तक पहुंच सकती है। फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है। आग से गोदाम में रखा काफी कपड़ा और पैकिंग सामग्री जलने की सूचना है। नुकसान का वास्तविक आकलन आग पूरी तरह बुझने और गोदाम की जांच के बाद ही सामने आएगा।

माकपा उम्मीदवारों ने वार्डों में किया जनसंपर्क, मतदाताओं से समर्थन की अपील

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितंबर। नगर निगम चुनाव को लेकर माकपा के वार्ड 30, 31 और 32 के प्रत्याशियों ने मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ अपने-अपने वार्डों में जनसंपर्क किया। इस दौरान प्रत्याशियों ने मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान एवं समर्थन की अपील की। माकपा शाखा सचिव अमजद शेख ने बताया कि वार्ड 30 से प्रत्याशी रानू सालवी ने विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क किया। पार्टी के अनुसार इस दौरान स्थानीय मतदाताओं ने क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की तथा प्रत्याशी के समक्ष अपनी अपेक्षाएं रखीं। जनसंपर्क में हीरालाल सालवी, मोहम्मद शाहिद, फरीद अहमद, मोहम्मद निजाम, फिरोज अहमद, संतोष सालवी, वरजू देवी, शरीफ भाई, याकूब मोहम्मद और मोहिनी माली आदि शामिल रहे। वार्ड 31 से माकपा प्रत्याशी मुस्कान राही ने भी कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न क्षेत्रों में मतदाताओं से संपर्क किया। पार्टी के अनुसार जनसंपर्क के दौरान लोगों ने वार्ड में मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों को लेकर अपनी बात रखी। इस अवसर पर शमशेर खान, अशफाक खान, रानी बानो आदि मौजूद रहे। वार्ड 32 से माकपा प्रत्याशी राजेंद्र वसीटा ने भी समर्थकों के साथ वार्ड में जनसंपर्क किया। पार्टी के अनुसार स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों और वार्ड की समस्याओं को लेकर चर्चा की तथा प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन व्यक्त किया। इस दौरान अनिल पनोर, राजेंद्र निमावत, नरेश शर्मा, भूपेश मीणा, हितेश, रघुनाथ सिंह, विष्णु खटिक, अशोक गरासिया, जानी मेघवाल और स्वदेश दामोर आदि मौजूद रहे। माकपा चुनाव संयोजक राजेश सिंघवी ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारियों में सड़क, गली, नाली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव के दौरान इन मुद्दों के साथ जनता के बीच जा रही है। उन्होंने मतदाताओं से चुनाव में अपने विवेक के आधार पर मतदान करने की अपील की। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि जनसंपर्क के दौरान प्रत्याशियों ने स्थानीय मुद्दों, नागरिक सुविधाओं और वार्ड के विकास से संबंधित विषयों पर मतदाताओं से संवाद किया।

वाहनों के अग्रिम पंजीयन के लिए नई सीरीज शुरू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। गैर-परिवहन दुपहिया एवं चारपहिया वाहनों के इच्छित पंजीयन क्रमांक/ अग्रिम नंबर के लिए नई सीरीज शुरू की जा रही है। इच्छुक आवेदक ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पंजीयन एवं जिला परिवहन अधिकारी मुकेश कुमार डाड ने बताया कि ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए विभागीय वेबसाइट के माध्यम से ई-ऑक्शन पोर्टल पर स्वयं लॉगिन कर आईडी बनानी होगी जिसकी प्रक्रिया विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आवेदन एवं पंजीयन की प्रक्रिया परिवहन सेवा के ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

मावली में 36 नामांकन खारिज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितम्बर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे नगर निकाय चुनावों के तहत मंगलवार को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की गई। इसमें मावली में 36 नामांकन खारिज हुए। रिटर्निंग अधिकारी मावली रमेश सीरवी पुनाड़िया ने बताया कि कुल प्राप्त 108 आवेदनों में से जांच के बाद 36 फॉर्म खारिज कर दिए गए हैं, इनमें से 35 नामांकन राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों के रूप में जमा हुए थे, लेकिन आवश्यक प्रपत्र क एवं ख जमा नहीं होने से उन्हें निरस्त किया गया। वहीं एक नामांकन पत्र उम्मीदीवार की आयु 21 वर्ष पूर्ण नहीं होने के कारण निरस्त हुआ। इसके अलावा संवीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद वार्ड नंबर 7 से उम्मीदवार मंगल सिंह चुण्डावत ने अपना नाम वापस ले लिया है। वर्तमान में 71 उम्मीदवारों के 72 आवेदन वैध पाए गए हैं।

डाक अदालत 7 सितंबर को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितंबर। भारतीय डाक विभाग की ओर से सोमवार, 7 सितंबर को प्रातः 11 बजे प्रवर अधीक्षक, प्रधान डाकघर, चेटक सर्कल में मण्डल स्तरीय डाक अदालत आयोजित की जाएगी। इसमें डाकघर काउंटर सेवा, मनी ऑर्डर, बचत बैंक, मूल्यदेय वस्तुएं, पार्सल एवं बीमा वस्तुएं, डाक जीवन बीमा तथा विदेश डाक वस्तुओं से संबंधित जनसमस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया जाएगा। डाक मंडल के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की शिकायतों का अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं हुआ है, वे अपनी शिकायत का पूर्ण विवरण 7 सितंबर तक कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर, चेटक सर्कल, उदयपुर-04 को भेज सकते हैं। शिकायत ई-मेल के माध्यम से भी मेल आईडी DOUDAIPUR.RJ@INDIAPOST.GOV.N भेजी जा सकती है।

दाईजी पुलिया में डूबे युवक का शव निकाला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितंबर। गणगौर घाट स्थित डाईजी पुलिया के पास सोमवार को अज्ञात व्यक्ति के डूबने की सूचना के बाद शुरू किया गया सर्च रेस्क्यू ऑपरेशन अंधेरा होने के कारण रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग, उदयपुर की टीम ने दोबारा सर्च अभियान शुरू किया और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम मंगलवार सुबह करीब 8 बजे मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। लगातार तलाश के बाद टीम ने शव को ढूंढ निकाला। इसके बाद शव को घंटाघर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। टीम में विपुल चौधरी, गौरव बागोरा, भवानी शंकर वाल्मीकि, दिनेश गमेती, सचिन कंडारा, मुकेश सेन, बने सिंह गुर्जर, दिव्यांश वैष्णव, पुरुषोत्तम कुमावत, रवि शर्मा, कैलाश गमेती और प्रवीण सिंह राठौड़ सहित अन्य जवान शामिल रहे।

इस्कॉन में बलराम आविर्भाव दिवस धूमधाम से मनाया, 3 से 5 सितंबर तक होगा जन्माष्टमी महोत्सव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितंबर। गंगूकुंड स्थित इस्कॉन जगन्नाथ मंदिर में भगवान बलराम का आविर्भाव दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कथा में भगवान बलराम के जन्म एवं जीवन से जुड़े रोचक प्रसंग सुनाए गए। कथा के बाद पंचामृत एवं सुगंधित पुष्पों से भगवान का अभिषेक कर 56 भोग अर्पित किए गए। मंदिर अध्यक्ष मायापुर वासी ने बताया कि इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 3 से 5 सितंबर तक तीन दिवसीय भव्य आयोजन के रूप में मनाया जाएगा। 4 सितंबर को प्रातः मंगला आरती के साथ भगवान के दर्शन शुरू होंगे। दर्शन दिनभर खुले रहेंगे और रात्रि आरती के बाद सवा 12 बजे तक श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर सकेंगे। इस दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 5 सितंबर को नंदोत्सव के साथ इस्कॉन संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद की व्यास पूजा वृहद स्तर पर आयोजित की जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि महोत्सव में मुंबई, जयपुर, वृंदावन, बेंगलुरु, दिल्ली, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, राजसमंद, सलूंबर और नाथद्वारा सहित विभिन्न स्थानों से ब्रह्मचारी एवं वैष्णव पहुंचेंगे। ये संत एवं वैष्णव प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण भक्ति का संदेश देंगे।

12,335 करोड़ की कार्ययोजना, 83,783 जर्जर कक्षाओं का होगा निर्माण; 3,768 स्कूल भवन असुरक्षित मिले

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 1 सितंबर। प्रदेश में विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। स्कूल आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए 2026-27 से 2030-31 तक 12,335.90 करोड़ रुपए की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। वहीं तकनीकी सर्वे में 3,768 जर्जर विद्यालय भवन और 83,783 जर्जर कक्षा-कक्ष चिन्हित किए गए हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी जर्जर या असुरक्षित विद्यालय भवन अथवा कक्षा-कक्ष का उपयोग नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षित भवन, स्वच्छ शौचालय तथा पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था हर शिक्षण संस्थान में सुनिश्चित की जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने बताया कि प्रदेश के 65,308 राजकीय विद्यालयों का तकनीकी सर्वेक्षण कराया गया है। जर्जर भवनों के उपयोग पर रोक लगाकर प्रभावित विद्यालयों में सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

नए भवन से लेकर शौचालय तक पर करोड़ों खर्च

प्रस्तावित कार्ययोजना में 3,587 नए विद्यालय भवनों के निर्माण के लिए 2,487.75 करोड़ रुपए, 22,589 विद्यालयों की वृहद मरम्मत के लिए 1,129.45 करोड़ रुपए, 83,783 जर्जर कक्षा-कक्षों के स्थान पर नए कक्षा-कक्ष बनाने के लिए 8,378.30 करोड़ रुपए तथा 13,616 जर्जर शौचालयों के पुनर्निर्माण के लिए 340.40 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष स्कूल आधारभूत संरचना पर 3,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मुख्य सचिव ने विद्यालयों में नल कनेक्शन अथवा वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था, पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच, स्वच्छ शौचालय, सफाई और उचित जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सा, तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ निजी और मेडिकल कॉलेजों में भी इन सुविधाओं की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

IIT जोधपुर और MNIT जयपुर के विशेषज्ञ करेंगे तकनीकी जांच

राजकीय विद्यालय भवनों की स्वतंत्र तकनीकी सुरक्षा जांच के लिए आईआईटी जोधपुर और एमएनआईटी जयपुर के सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की समिति गठित की गई है। आईआईटी जोधपुर की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जबकि एमएनआईटी जयपुर की रिपोर्ट अपेक्षित है। विद्यालय भवनों के निर्माण और मरम्मत में राष्ट्रीय भवन संहिता, एनसीपीसीआर स्कूल सुरक्षा दिशा-निर्देश, बीआईएस सहित निर्धारित तकनीकी मानकों की पालना सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों को न्यायालय के निर्देशों की बिंदुवार अनुपालना और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए।

RPSC ने होम साइंस की विचारित सूची जारी की, 6 अभ्यर्थी पात्रता जांच के लिए चयनित

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 अगस्त। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2025 के तहत होम साइंस विषय की विचारित सूची जारी कर दी है। इसमें 6 अभ्यर्थियों को अस्थायी रूप से पात्रता जांच के लिए शामिल किया गया है। पंजाबी विषय में न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाला कोई अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं रहा। आयोग के अनुसार होम साइंस की सूची चयन या वरीयता सूची नहीं है। पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के बाद अंतिम परिणाम जारी किया जाएगा। विस्तृत आवेदन 4 से 10 सितंबर 2026 रात 11:59 बजे तक ऑनलाइन भरे जा सकेंगे। वहीं, निर्धारित प्रक्रिया के तहत 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्पों में से कोई विकल्प नहीं भरने पर होम साइंस के 11 और पंजाबी के 3 अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित किया गया है।

त्योहारों से पहले खाद्य विभाग की कार्रवाई, मिठाई-नमकीन के नमूने जांच के लिए भेजे

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 1 सितंबर। रक्षाबंधन और जन्माष्टमी पर्व से पहले खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में जांच अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत विभागीय टीम ने विभिन्न मिठाई एवं नमकीन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण टी. शुभमंगला के निर्देश तथा जिला कलक्टर डॉ. मंजू और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ताराचंद गुप्ता के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा टीम ने शंभूपुरा स्थित चामुंडा जोधपुर मिष्ठान भंडार से मीठा मावा और बेसन के लड्डू के नमूने लिए। निकुंभ चौराहा स्थित जैन रेस्टोरेंट से नुगती तथा जोधपुर मिष्ठान भंडार से नमकीन, मलाई बर्फी और गुलाब जामुन के नमूने लिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, उदयपुर भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रक्षाबंधन-जन्माष्टमी तक जारी रहेगा अभियान

सीएमएचओ डॉ. ताराचंद गुप्ता ने बताया कि आगामी रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मिलावट की जांच का अभियान लगातार जारी रहेगा। टीम द्वारा विशेष रूप से मावा, मिठाई, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। उन्होंने खाद्य कारोबारियों से निर्धारित खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की अपील की। सीएमएचओ ने आमजन से अपील की कि जिले में कहीं भी खाद्य पदार्थों में मिलावट या मिलावटी सामग्री की बिक्री की जानकारी मिले तो इसकी सूचना खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यालय के दूरभाष नंबर 01472-245813 पर दी जा सकती है।

दिनदहाड़े फायरिंग, मछली ठेकेदार के हाथ में लगी गोली; बाइक सवार आरोपी फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितम्बर। शहर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम आपसी रंजिश को लेकर दिनदहाड़े फायरिंग से हड़कंप मच गया। सहेली मार्ग स्थित होटल हेरिटेज के सामने बाइक सवार युवक ने एक युवक पर दो फायर किए। इनमें से एक गोली उसके हाथ में लगी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। डीएसपी राजेश यादव के अनुसार घायल युवक की पहचान इरफान पुत्र अशरफ खान निवासी कत्लेशाह मस्जिद क्षेत्र के रूप में हुई है। फायरिंग में उसके हाथ में गोली लगी, जिसके बाद उसे तत्काल एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

बाइक से आया आरोपी, दो गोलियां चलाईं पुलिस के अनुसार इरफान किसी काम से सहेली मार्ग स्थित होटल हेरिटेज के सामने गया था। इसी दौरान बाइक पर सवार शादाब उर्फ अली अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा और इरफान पर दो फायर कर दिए। एक गोली इरफान के हाथ में लगी। फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घबरा गए और मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी राजेश यादव और हाथीपोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर गोली का खोल बरामद किया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

आपसी रंजिश में फायरिंग की आशंका

प्रारंभिक जांच में फायरिंग की वजह आपसी रंजिश सामने आ रही है। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच पिछले दिनों विवाद हुआ था और उसी विवाद के चलते फायरिंग किए जाने की आशंका है। घायल इरफान का मछली का ठेका बताया जा रहा है और प्रारंभिक तौर पर विवाद को इसी कारोबार से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि फायरिंग की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

आरोपी की तलाश में दबिश, नाकाबंदी

वारदात के बाद आरोपी शादाब उर्फ अली फरार है। उसे पकड़ने के लिए हाथीपोल थाना पुलिस की टीमें अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही हैं। साथ ही संभावित ठिकानों और शहर से बाहर जाने वाले रास्तों पर निगरानी बढ़ाई गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण, अनियमितता पर दो लाइसेंस निलंबित

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 1 सितंबर। जिले में उर्वरकों की उपलब्धता सुचारू बनाए रखने तथा यूरिया की कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक निदेशक कृषि ने घटियावली स्थित मैसर्स स्वाभिमान व्हीट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और निम्बाहेड़ा के मोहम्मदपुरा स्थित मैसर्स महाकाल खाद बीज भंडार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों पर अनियमितताएं पाए जाने पर सहायक निदेशक कृषि की ओर से पत्र क्रमांक 3468 एवं 3469, दिनांक 27 अगस्त 2026 के माध्यम से उर्वरक अनुज्ञापत्र निलंबित करने की अनुशंसा की गई। इसके आधार पर दोनों उर्वरक विक्रेताओं के अनुज्ञापत्र निलंबित कर दिए गए।

एफएफएस पोर्टल से ही करें उर्वरकों की बिक्री

कृषि विभाग ने जिले के सभी आदान विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि उर्वरकों सहित अन्य कृषि आदानों का विक्रय नियमानुसार एफएफएस पोर्टल के माध्यम से ही किया जाए। प्रत्येक किसान को अनिवार्य रूप से बिल उपलब्ध कराने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज नियमानुसार प्रतिष्ठान पर संधारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

30 सितंबर तक फार्मर रजिस्ट्री का अवसर

विभाग ने किसानों से 1 से 30 सितंबर 2026 तक आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कैंपों में पहुंचकर रजिस्ट्री करवाने की अपील की है। जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं हुई है, वे आवश्यक रूप से इसे पूरा करवाएं। किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार एफएफएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर उर्वरकों की खरीद कर सकते हैं। समस्या होने पर स्थानीय कृषि पर्यवेक्षक अथवा संबंधित कृषि कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। कृषि विभाग ने किसानों से उर्वरकों का अनावश्यक अग्रिम भंडारण नहीं करने की अपील की है। विभाग के अनुसार वर्तमान में जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है।

फर्जी डिग्री से सरकारी नौकरी हथियाने वाला PTI गिरफ्तार, डेढ़ साल से पुलिस से बच रहा था

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 1 सितंबर। फर्जी डिग्री के सहारे सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में एसओजी ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती-2021 में फर्जी बीपीएड डिग्री लगाकर चयनित हुआ चंद्र सिंह पटेल करीब डेढ़ साल से गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। एसओजी ने उसे जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र से पकड़ा। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल के अनुसार गिरफ्तार आरोपी चंद्र सिंह पटेल (41), निवासी बिलाड़ा, जोधपुर ने बैक डेट में तैयार कराई गई फर्जी बीपीएड डिग्री के आधार पर भर्ती परीक्षा में चयन हासिल किया था। चयन के बाद उसे थर्ड ग्रेड पीटीआई के पद पर नियुक्ति मिली। जांच के दौरान उसकी डिग्री संदिग्ध मिलने पर शिक्षा विभाग को जानकारी भेजी गई। सत्यापन में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। इसके बाद गिरफ्तारी की भनक लगते ही वह फरार हो गया।

दलालों को दिए 1.20 लाख रुपये

पूछताछ में आरोपी ने एसओजी को बताया कि उसने दलालों के जरिए 1.20 लाख रुपये देकर फर्जी बीपीएड डिग्री हासिल की थी। डिग्री तैयार कराने में बाबूलाल उर्फ बाबू पटेल, प्रदीप कुमार शर्मा और रवि त्यागी की भूमिका बताई गई है। एसओजी इन तीनों आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एसओजी के अनुसार चंद्र सिंह पिछले करीब डेढ़ साल से जोधपुर शहर में अलग-अलग स्थानों पर छिपकर रह रहा था। टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

फर्जी डिग्री मामले में अब तक 22 गिरफ्तार

एडीजी एसओजी के मुताबिक फर्जी डिग्री से जुड़ी जांच में अब तक ओपीजेएस यूनिवर्सिटी, चूरू और जेएस यूनिवर्सिटी, शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) से जुड़े चांसलर, पूर्व रजिस्ट्रार समेत कुल 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपी को मंगलवार दोपहर अदालत में पेश किया गया, जहां मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

300 फीट गहरे बोरवेल में गिरा 8 साल का मासूम, 5 घंटे बाद सुरक्षित निकला

24 न्यूज अपडेट

अलवर। बड़ौदामेव के बुटोली गांव में सोमवार शाम कटी पतंग लूटने के दौरान 8 साल का भानू गुर्जर खुले पड़े 300 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। करीब 48 फीट की गहराई पर फंसे बच्चे को पांच घंटे की मशक्कत के बाद SDRF टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार भानू कटी पतंग के पीछे दौड़ रहा था। इसी दौरान वह खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा। घटना शाम करीब 6 बजे हुई। कुछ देर बाद बोरवेल के अंदर से बच्चे की आवाज सुनाई देने पर रेस्क्यू टीम को उसके जिंदा होने की पुष्टि हुई।

तीन JCB से शुरू की खुदाई, पाइप धंसने पर रोका काम सूचना मिलने पर SDRF के करीब 10 जवान मौके पर पहुंचे। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बोरवेल के समानांतर तीन JCB की मदद से गड्ढा खोदने का प्रयास किया गया। हालांकि, मिट्टी और पाइप धंसने के खतरे को देखते हुए यह प्रक्रिया रोकनी पड़ी। बच्चे तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बोरवेल में पाइप डाला गया। कैमरे और रस्से की मदद से भी बच्चे की स्थिति पर लगातार नजर रखी गई। इस दौरान बच्चा रेस्पॉन्स करता रहा।

ग्रामीण को उल्टा लटकाकर बोरवेल में उतारा

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान ग्रामीण इस्सार ने बच्चे को निकालने में मदद की पेशकश की। कुएं और पानी में हुए हादसों में रेस्क्यू का अनुभव रखने वाले इस्सार को एसपी की अनुमति के बाद रस्से के सहारे उल्टा लटकाकर बोरवेल में नीचे उतारा गया। हालांकि, अंदर मौजूद पत्थरों के कारण वह बच्चे तक नहीं पहुंच सके। इसके बाद SDRF टीम ने दूसरे तरीके से रेस्क्यू जारी रखा।

रस्से के सहारे बाहर निकाला

लगातार करीब पांच घंटे चले ऑपरेशन के बाद SDRF टीम ने बच्चे को रस्से की मदद से बोरवेल से बाहर निकाल लिया। भानू के सुरक्षित बाहर आते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों और परिजनों ने राहत की सांस ली और खुशी जताई।

नगर निकाय चुनाव: मतदान से मतगणना तक तैयारियां तय, 14 सितंबर को कृषि महाविद्यालय में होगी उदयपुर नगर निगम की काउंटिंग

8 सितंबर से मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण, 10 सितंबर को नगर निगम के दलों की ट्रेनिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितंबर। नगर निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने मतदान से लेकर मतगणना तक की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर गौरव अग्रवाल ने मतदान दलों के प्रशिक्षण, रवानगी, मतदान के बाद वापसी, ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री के संग्रहण तथा मतगणना को लेकर विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। जिले में नगर निगम उदयपुर के साथ भींडर, कानोड़, वल्लभनगर, मावली और फतहनगर-सनवाड़ नगरपालिकाओं में चुनाव होना है। मतगणना 14 सितंबर 2026 को सुबह 9 बजे से शुरू होगी।

8 सितंबर से अंतिम प्रशिक्षण

उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि भींडर, वल्लभनगर और फतहनगर-सनवाड़ नगरपालिकाओं के मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण 8 सितंबर को सुबह 8 बजे सुखाड़िया रंगमंच, नगर निगम उदयपुर में होगा। कानोड़ और मावली के मतदान दलों का प्रशिक्षण 10 सितंबर को सुबह 8 बजे दीनदयाल सभागार, नगर निगम उदयपुर में आयोजित किया जाएगा। वहीं नगर निगम उदयपुर के मतदान दलों का प्रशिक्षण भी 10 सितंबर को होगा। दल संख्या 1 से 205 तथा 451 से 490 का प्रशिक्षण सुबह 8 बजे सुखाड़िया रंगमंच में और दल संख्या 206 से 410 तथा 411 से 450 का प्रशिक्षण सुबह 10 बजे होगा।

अलग-अलग स्थानों पर निर्वाचन सामग्री का वितरण

प्रशिक्षण के बाद संबंधित नगरपालिकाओं के मतदान दलों को निर्धारित व्यवस्था के तहत मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। निर्वाचन सामग्री और ईवीएम के वितरण एवं जमा कराने के लिए भी अलग-अलग केंद्र तय किए गए हैं। नगर निगम उदयपुर के लिए राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर को केंद्र बनाया गया है। वहीं भींडर में भैरव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वल्लभनगर में पंचायत समिति कार्यालय, फतहनगर-सनवाड़ में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सनवाड़, कानोड़ में पं. उदय जैन महाविद्यालय तथा मावली के लिए राजस्थान कृषि महाविद्यालय में सामग्री वितरण की व्यवस्था रहेगी।

14 सितंबर को सुबह 9 बजे से मतगणना

नगर निगम उदयपुर और सभी संबंधित नगरपालिकाओं में मतगणना 14 सितंबर को सुबह 9 बजे से शुरू होगी। नगर निगम उदयपुर की मतगणना राजस्थान कृषि महाविद्यालय में होगी। नगर निगम के 80 वार्डों की मतगणना के लिए अलग-अलग कक्ष निर्धारित किए गए हैं‘ ईवीएम स्ट्रांग रूम भी वार्ड समूहों के अनुसार निर्धारित किए गए हैं।

वार्ड 1 से 16 ‘ मतगणना कक्ष संख्या 1
वार्ड 17 से 32 ‘ कक्ष संख्या 4
वार्ड 33 से 48 ‘ कक्ष संख्या 7
वार्ड 49 से 64 ‘ कक्ष संख्या 8
वार्ड 65 से 80 ‘ कक्ष संख्या 11

नतीजों की जानकारी वेबसाइट पर भी होगी उपलब्ध

मतगणना स्थल पर सांख्यिकी संबंधी सूचनाएं तैयार करने, निर्धारित प्रपत्रों में अंतिम परिणाम तैयार करने और उन्हें वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए संबंधित प्रकोष्ठों को आवश्यक स्टाफ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ईवीएम के डीएमएम कार्ड सहित अन्य निर्वाचन सामग्री को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों के लिए चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान दलों की रवानगी और मतदान के बाद वापसी के दौरान भी आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था रहेगी। दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मतदान कार्मिकों के ठहरने, अल्पाहार एवं भोजन तथा मतदान के बाद तहसील मुख्यालय तक पहुंचाने के लिए आवश्यकतानुसार वाहनों की व्यवस्था भी की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, विद्युत निगम, राजस्थान कृषि महाविद्यालय प्रशासन और नगर निकायों सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ चुनाव कार्यक्रम के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खाओ—खिलाओ संस्कृति जिंदाबाद : मात्र 40 हजार की रिश्वत लेते दलाल और हेड कांस्टेबल को दबोचा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। लोकतंत्र के चुनावी महोत्सव के बीच भी रिश्वत को उत्सव थमा नहीं है। रोज कर्मचारी दबोचे जा रहे हैं मगर पूरा सिस्टम बेशर्मी से देख रहा है। अबकी बार अमरसर थाने में दर्ज एक परिवाद को रफा-दफा कर परिवादी के पक्ष में रिपोर्ट तैयार करने के नाम पर रिश्वत मांगना पुलिसकर्मी और उसके कथित बिचौलिए को भारी पड़ गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते शराब ठेके के सेल्समैन राकेश कुमार मीणा को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद हेड कांस्टेबल रतन लाल आर्य को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

ACB के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि अमरसर थाने में दर्ज परिवाद को खत्म करने और उसके पक्ष में रिपोर्ट बनाने के लिए हेड कांस्टेबल रतन लाल आर्य 50 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद बातचीत में 40 हजार रुपए में सौदा तय हुआ।

हेड कांस्टेबल के नाम पर ली रकम

ACB की टीम ने योजना के तहत कार्रवाई की। अमरसर में शराब ठेके पर सेल्समैन के रूप में काम करने वाला राकेश कुमार मीणा, हेड कांस्टेबल रतन लाल आर्य के लिए परिवादी से 40 हजार रुपए लेने पहुंचा। जैसे ही उसने रिश्वत की रकम ली, ACB टीम ने उसे पकड़ लिया। दलाल की गिरफ्तारी के बाद पुलिस हेड कांस्टेबल रतन लाल आर्य को डिटेन कर पूछताछ की गई। पूछताछ और कार्रवाई के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

ACB टीम ने सत्यापन के बाद बिछाया जाल

यह कार्रवाई ACB जयपुर नगर-प्रथम इकाई ने की। कार्रवाई डीआईजी पुलिस-द्वितीय ओमप्रकाश मीणा के सुपरविजन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र के नेतृत्व में की गई। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पेड न्यूज निगरानी के लिए मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी का गठन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 1 सितम्बर। नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) गौरव अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, चुनाव के दौरान पेड न्यूज पर पैनी नजर रखने और उसकी प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए जिला स्तर पर चार सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी (एमएमसी) का गठन किया गया है। नवगठित जिला स्तरीय कमेटी में अध्यक्ष जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) होंगे। वहीं उपनिदेशक जनसंपर्क को सदस्य सचिव बनाया गया है। विशेषाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, उदयपुर तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर-शहर को कमेटी में सदस्य नियुक्त किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी नगरीय निकाय और पंचायत आम चुनाव-2026 को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावमुक्त बनाना है, ताकि चुनावों में पेड न्यूज के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

यह है पेड न्यूज की परिभाषा

भारतीय प्रेस परिषद और भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, किसी भी मीडिया (प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक) में नकद या वस्तु के रूप में भुगतान के बदले प्रकाशित या प्रसारित होने वाली कोई भी खबर या विश्लेषण पेड न्यूज कहलाता है। इसके तहत किसी उम्मीदवार या दल के पक्ष में इस तरह से प्रचार किया जाता है, जिससे वह विज्ञापन न लगकर एक सामान्य समाचार या आलेख जैसा प्रतीत हो। इससे आम पाठक या दर्शक भ्रमित हो जाते हैं। यह निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करता है क्योंकि मतदाता को उम्मीदवार की सही तस्वीर नहीं मिल पाती। उम्मीदवार अक्सर इस छिपे हुए विज्ञापन के खर्च को अपने आधिकारिक चुनावी व्ययमें नहीं दर्शाते, जो कि चुनावी नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

बेड़ियों में बंधकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ड्राइवर, 30 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 1 सितंबर। अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान खींचने के लिए ऑल ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन ने मंगलवार को डूंगरपुर कलेक्ट्रेट पर अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। एसोसिएशन से जुड़े चालक हाथों में बेड़ियां डालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और सरकार के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई। प्रदर्शन के बाद चालकों ने एडीएम को प्रधानमंत्री के नाम 30 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष गणेश कटारा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में चालक कलेक्ट्रेट पहुंचे। बेड़ियों में बंधे चालकों ने सरकार का ध्यान अपनी समस्याओं और मांगों की ओर आकर्षित किया। एसोसिएशन ने चालकों के लिए सामाजिक, आर्थिक और कानूनी सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दे उठाए।

1 सितंबर को राष्ट्रीय

चालक दिवस घोषित करने की मांग जिलाध्यक्ष गणेश कटारा ने कहा कि व्यावसायिक चालक देश की परिवहन व्यवस्था और अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। रोजाना हजारों किलोमीटर वाहन चलाकर सामान और यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले चालकों को ड्यूटी के दौरान कई तरह की परेशानियों और जोखिमों का सामना करना पड़ता है। एसोसिएशन ने चालकों की सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक हितों को लेकर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन में 1 सितंबर को राष्ट्रीय चालक दिवस घोषित करने तथा चालकों के हितों की निगरानी और उनके अधिकारों के लिए राष्ट्रीय चालक आयोग गठित करने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई।

हादसे में मौत पर 20 लाख, दिव्यांग होने पर 10 लाख की मांग

चालकों ने ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में मौत होने पर संबंधित चालक के परिवार को 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग की। वहीं हादसे में चालक के दिव्यांग होने की स्थिति में 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

ट्रायल लेने का झांसा देकर थार जीप लेकर फरार, दो युवकों समेत तीन पर धोखाधड़ी का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अंबामाता थाना क्षेत्र में ट्रायल लेने का झांसा देकर महिंद्रा थार जीप लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार कुलदीप राठौड़ (20) पुत्र श्याम सिंह राठौड़, निवासी सबलसिंह की ढाणी, थाना प्रतापनगर, ने रिपोर्ट दी कि करण सिंह, करणवीर और हरप्रीत सिंह ने धोखाधड़ी कर ट्रायल लेने का झांसा दिया और महिंद्रा थार जीप नंबर GJ-16-DP-9354 लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अनुसंधान अधिकारी एएसआई योगेश कुमार हैं।

रिसोर्ट के कमरे की दराज का ताला तोड़कर 10 लाख रुपए चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र स्थित एमडी सिजन्स पार्क रिसोर्ट सुरफलाया में कमरे की टेबल की दराज का ताला तोड़कर 10 लाख रुपए चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार रिसोर्ट में रहने वाले जगदीशचंद्र सिंधी (60) निवासी 21 न्यू पोलो ग्राउंड, सहेली नगर, थाना अंबामाता ने रिपोर्ट दी कि अज्ञात बदमाशों ने उनके कमरे में रखी टेबल की दराज का ताला तोड़कर उसमें रखे 10 लाख रुपए चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अनुसंधान अधिकारी सउनि रमेशचंद्र हैं।

घर में चोरी, सोने के जेवर और एक लाख रुपए नकद ले गए चोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र के समता विहार तितरड़ी में एक मकान से अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवरात, एक लाख रुपए नकद और अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस के अनुसार राजकुमार सेन, निवासी सालेरा कलां, तहसील मावली, हाल निवासी समता विहार तितरड़ी, ने रिपोर्ट दी कि 30 अगस्त की रात करीब साढ़े 9 बजे घर पहुंचने पर चोरी का पता चला। चोर घर से उनकी पत्नी के गले की आड़, सोने के टॉप्स, पायल, अंगूठी और एक लाख रुपए नकद सहित ले जाने योग्य अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अनुसंधान अधिकारी हेड कांस्टेबल अशोक हैं।

तीसरी मंजिल के कमरे में फंदे से लटका मिला युवक, आत्महत्या की

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र की आवरी माता कॉलोनी में एक युवक ने घर की तीसरी मंजिल स्थित कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार हेमंत रेगर (30) पुत्र गमेर लाल, निवासी आवरी माता कॉलोनी, अपने परिवार के साथ मकान की तीसरी मंजिल पर रहता था। उसने कमरे में लगे पंखे से बेडशीट का फंदा बनाकर गले में डाल लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मामले के अनुसंधान अधिकारी एएसआई भागीरथ हैं।

प्रतापनगर थाना पुलिस की कार्रवाई, तीन जगह सट्टे की पर्चियां काटते तीन आरोपी पकड़े

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर सट्टे की पर्चियां काटने के मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा। पहली कार्रवाई आकाशवाणी क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस ने कुकाराम भील (55) निवासी 100 फीट रोड, भुवाणा, थाना सुखेर को सार्वजनिक स्थान पर सट्टे की पर्चियां काटते पकड़ा। दूसरी कार्रवाई गाडुलिया घाटी में हुई। यहां शम्भुशाह (48) निवासी मकान नंबर 62, रोड नंबर 3, उदयप्रताप कॉलोनी, मादड़ी को सट्टे की पर्चियां काटते पकड़ा गया। तीसरी कार्रवाई प्रतापनगर चौराहे पर की गई। पुलिस ने देवी लाल (58) निवासी तालाब रोड, बड़ीसादड़ी को सार्वजनिक स्थान पर सट्टे की पर्चियां काटते पकड़ा। तीनों मामलों में पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। पहले मामले के अनुसंधान अधिकारी एएसआई अमर सिंह, दूसरे मामले में हेड कांस्टेबल प्रताप सिंह व हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह जबकि तीसरे मामले के अनुसंधान अधिकारी एएसआई सूरजमल हैं।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात व्यक्ति स्प्लेंडर लेकर फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र के मोक्ष मार्ग, शास्त्री सर्कल स्थित एक मकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। अज्ञात व्यक्ति हीरो स्प्लेंडर बाइक (RJ 27AP1422) चोरी कर ले गया। पुलिस के अनुसार नरेश परिहार पुत्र जगदीश परिहार, निवासी महाजन मार्ग, शास्त्री मोहल्ला, जिलोला, तहसील आमेट, जिला राजसमंद, हाल 07 मोक्ष मार्ग, शास्त्री सर्कल, उदयपुर ने रिपोर्ट दी कि उन्होंने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। बाद में बाइक वहां नहीं मिली। आसपास तलाश करने के बावजूद पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अनुसंधान अधिकारी हेड कांस्टेबल आनंद कुंवर हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।